TITLE: Re: Reducing Coal transportation cost meant for production of Electricity in Punjab.

श्री मनीष तिवारी (आनंदपुर साहिब): सभापति महोदय, आपने मुझे जीरो ऑवर में बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद। सूबा पंजाब ऊर्जा पैदा करने के लिए महानदी कोल फील्ड से कोयला लेता है। अगर रेल मार्ग से कोयला पंजाब सीधा लाया जाए तो 1830 किलोमीटर पड़ता है।

ऊर्जा मंत्रालय ने 30 नवम्बर, 2022 को पंजाब सरकार को एक खत लिखकर कहा कि आप रेल मार्ग से सीधा कोयला लेकर नहीं आ सकते हैं। आप पाराद्वीप बंदरगाह पर कोयला लेकर जाएंगे, फिर समुद्री मार्ग से श्रीलंका के रास्ता होते हुए अडानी बंदरगाह मुंद्रा, दाहेज में कोयला उतारेंगे और फिर वहां से 1500 किलोमीटर रेलमार्ग से वही कोयला पंजाब लेकर आएंगे।

मेरा सीधा-सीधा सरकार के ऊपर आरोप है कि अडानी को फायदा पहुंचाने के लिए ऊर्जा मंत्रालय ने पंजाब सरकार और पंजाब के लोगों के साथ विदकरा किया है।

कोयले के ट्रांसपोर्टेशन का जो कॉस्ट है, वह 4350 रुपये प्रति टन से बढ़कर 6750 रुपये प्रति टन हो गया है। एक यूनिट ऊर्जा की कीमत 3 रुपये 60 पैसे से बढ़कर 5 रुपये हो गई है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से यह अनुरोध करना चाहता हूं कि ये जो पंजाब के लोगों के साथ जो विदकरा किया जा रहा है, उस खत को वापस लिया जाए और महानदी कोल फील्डस से सीधा रेलमार्ग के जरिए कोयला लाने की अनुमति प्रदान की जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।